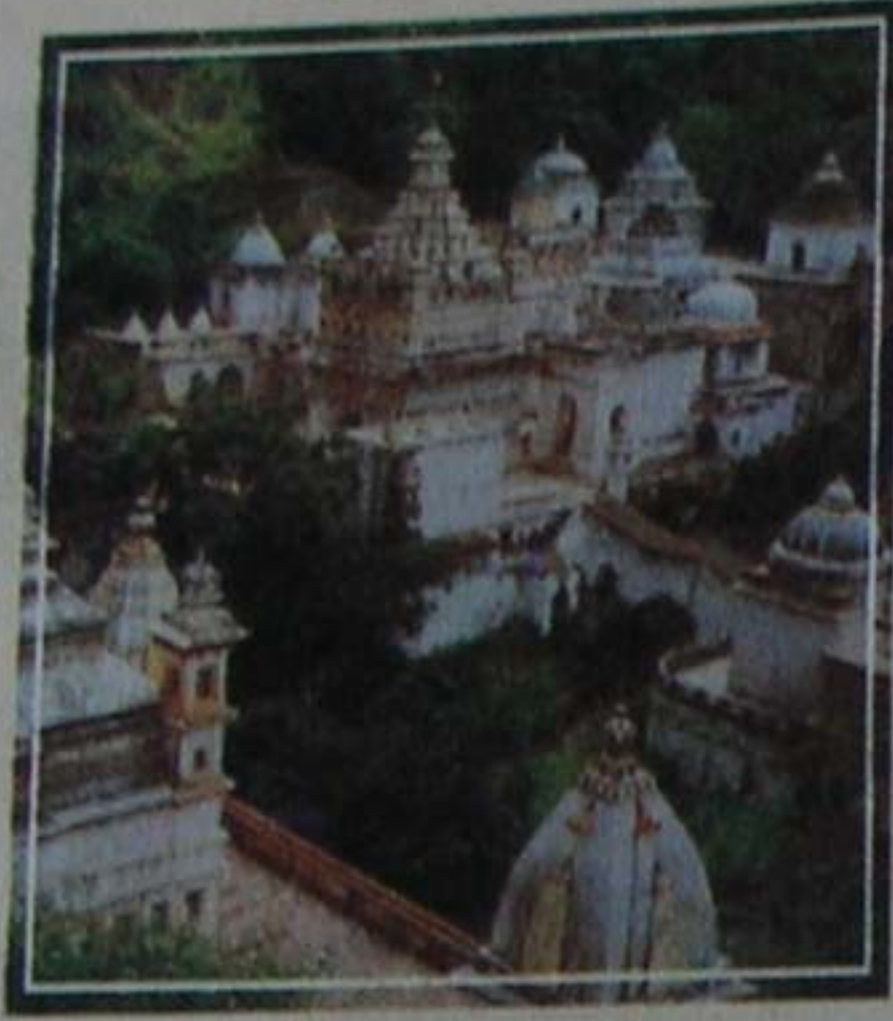


सिद्ध क्षेत्र

श्री मुक्तागिरि जी



Shri Muktagiri Siddha Kshetra, M.P.

अर्घ

जल गंध आदिक द्रव्य लेके, अर्घ कर ले आवने ।
लाय चरन चढ़ाय भविजन, मोक्षफल को पावने ॥
तीर्थ मुक्तागिरि मनोहर, परम पावन शुभ कहो ।
कोटि साढ़े तीन मुनिवर, जहाँ ते शिवपुर लहो ॥

ॐ ह्रीं श्री मुक्तागिरि क्षेत्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घ निर्वपामीति स्वाहा ।

